DOON UNIVERSITY
NEWSPAPER CLIPPING SERVICES

21वीं सदी का कौशल आने वाली पीढ़ियों के लिए अहम

देहरादून, वरिष्ठ संवाददाता। दून विवि में बुधवार को युवा शोधार्थियों के लिए तीन दिवसीय प्रारंभिक कैरियर शोधकर्ताओं के लिए क्षमता निर्माण कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। विवि द्वारा इंस्पायरिंग इंडिया इन रिसर्च इनोवेशन एंड एसटीईएम के साथ मिलकर यह कार्यशाला की जा रही है।

शुभारंभ पर कुलपति प्रोफेसर डॉ. सुरेखा डंगवाल ने कार्यशाला की सराहना की। उन्होंने कहा कि युवा शोधार्थियों को इससे काफी लाभ मिलेगा। 21वीं सदी के प्रतिस्पर्धा के समय में सभी प्रोफेशनल्स का कौशल एवं उनकी समझ आने वाली पीढ़ी के लिए बेहद महत्वपूर्ण होगी। प्रौद्योगिकी (डीएसटी), ब्रिटिश काउंसिल, रॉयल सोसाइटी ऑफ केमिस्ट्री (आरएससी) लंदन, टाटा टेक्नोलॉजीज और टाटा ट्रस्ट भी सहयोगी है। आईआईटी रुड़की, आईआईपी, वाडिया इंस्टीट्यूट ऑफ हिमालयन जियोलॉजी, सीएसआईआर, सीबीआरआई, दिल्ली यूनिवर्सिटी, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ राजस्थान, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ हरियाणा, जीबी पंत यूनिवर्सिटी, एचएनबी गढ़वाल यूनिवर्सिटी, कुमाऊं यूनिवर्सिटी के 178 शोधार्थियों ने पंजीकरण कराया है। इस दौरान समापन समारोह की मुख्य अतिथि भारत सरकार की सलाहकार और प्रमुख डीएसटी इंस्पायर डिवीजन डॉ. नमिता गुप्ता, अतिथि उप निदेशक ब्रिटिश काउंसिल, भारत माइकल हाउलगेट, संयोजक डॉ. अरुण कुमार, डॉ. स्वाति बिष्ट, समन्वयक डॉ. हर्ष शर्मा, डॉ. सरिता सिंह, डॉ. विपिन कुमार और डॉ. रोमिला चंद्रा आदि मौजूद रहे।

दून विवि के सभागार में बुधवार को कार्यशाला का शुभारंभ कुलपति सुरेखा डंगवाल ने किया।

News paper – Hindustan
Date – 06.06.2024